are not readily available. Time and effort required for collection of these will not be commensurate with the results likely to be achieved.

छोटे ट्रैक्टरों का उत्पादन

1662. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पुराने रूसी ट्रैक्टर डीटी 14 जैसे छोटे ट्रैक्टरों का देश में विनिर्माण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ख) क्या ट्रैक्टरों के विनिर्माण के लिए किसी अन्य राज्य सरकार ने रूस से और अधिक तकनीकी जानकारी मांगी है और क्या उसका आयात करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) और (ख) सोवियत संघ के आयातित प्रौद्योगिकी से ट्रैक्टरों के विनिर्माण के लिए इस समय राज्य सरकारों सहित किसी भी भारतीय दल का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है तथापि, कुछ विशेष ट्रैक्टरों के निर्माण के लिए दोनों देशों के बीच उत्पादन सहयोग की सम्भावनाओं का पता लगाया जा रहा है और कुछ विशेष भारतीय संगठन इस संबंध में रूस के निर्माताओं के साथ परस्पर बातचीत कर रहे हैं। इस संबंध में अब तक किसी भी व्यापारिक संविदा पर हस्ताक्षर नहीं किए गए है।

गुजरात में जलाकर नष्ट की जाने वाली गैस

1663. **श्री रामसिंहभाई पातलीयाभाई राठवा :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात में बहुत बड़े परिमाण में प्राकृतिक गैस जला दी जाती है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

(ग) गुजरात में जिन जगहों पर गैस मिली है उनके क्या नाम हैं और किन स्थानों पर गैस जला कर नष्ट की गयी और कितनी मात्रा में ;

(घ) क्या गुजरात सरकार, गुजरात के उद्योगपतियों, संस्थाओं, संसद सदस्यों तथा राज्य के अन्य विशिष्ट व्यक्तियों ने मांग की है कि गैस को जलाने की बजाय इसे गुजरात उद्योगों को सस्ती दर पर दे दिया जाए ताकि इससे राज्य में औद्योगिकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा मिले ;

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है और उस पर क्या कार्यवाही की गई है और उसका क्या परिणाम निकला ; और

(च) गैस को जलाने की बजाय इसे राज्य में उद्योगों को सस्ती दर पर उपलब्ध कराने के मार्ग में क्या रुकावटें हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) और (ख) जी नहीं। उपभोक्ताओं द्वारा कम गैस लेने या गैस के कम दबाव के कारण जिसका परिवहन नहीं किया जा सकता कुछ ही प्रतिशत गैस को जलाया जा रहा है।

(ग) संलग्न विवरण में 58 उन स्थानों की सूची दी हुई है जहां मुक्त तथा संबंध गैस के भंडार हैं इनमें से 35 स्थानों पर गैस का उत्पादन किया जा रहा है (नीचे देखिए) विभिन्न क्षेत्रों से ऐसे एकीकृत पाईपलाइन नेट वर्क के द्वारा गैस का उत्पादन किया जा रहा है जिसे विभिन्न केन्द्रीय पाइंटों/गैस संग्रह केन्द्रों से जोड़ा गया है। विभिन्न उपभोक्ताओं तथा ओ एन जी सी आंतरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद शेष गैस को जलाने के लिए भेज दिया जाता है इसलिए प्रत्येक क्षेत्र से जलाई जाने वाली गैस की मात्रा को बताना संभव नहीं है। 1986-87 के दौरान औसतन 0.5 मिलियन घन मीटर गैस प्रतिदिन जलाई गई।